>

Title: Need to construct RCC roads in Hilly areas.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान हिली स्टेट्स की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हमारे नैशनल हाईवेज जनरली तारकोल या जिसे हम बिटूमिन कहते हैं, उसके माध्यम से बनाये जाते हैं। परन्तु हम अभी जो नयी टेक्नोलॉजी प्रयोग में ला रहे हैं, उसमें आरसीसी के माध्यम से कंक्रीट की रोड्स बना रहे हैं। मैं चाहता हूं कि हमारे हिली एरियाज, स्नो बाउंड एरियाज हैं या जो शेडी एरियाज रह जाते हैं, उसमें बिटूमिन काम नहीं करता क्योंकि इसकी लाइफ तीन से पांच साल तक रहती है। परन्तु अगर हम यही रोड आरसीसी, सीमेंटेड कंक्रीट के बनायेंगे, तो उसकी लाइफ पन्द्रह से बीस साल तक रहती है। मैं चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र शिमला जिले में छराबड़ा से फागु तक दस किलोमीटर का पेच है, जिसे हम पायलट प्रोजैक्ट के रूप में बनायें, तो वहां से हमारा जितना सेब आता है, 90 परसेंट सेब लगभग उसी रोड से आता है। वह रोड काफी डेमेज्ड होती है, क्योंकि बरसात, सर्दी और जब बर्फ पड़ती है, तो वह रोड खराब हो जाती है। मैं चाहता हूं कि वह रोड आरसीसी के माध्यम से बनाने के लिए केन्द्र सरकार विशेष बजट का प्रावधान करे, ताकि हम वहां उस रोड को ठीक तरह से बना सकें।